भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 3430

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

प्रसाद योजना में मंदिरों को शामिल करना

3430. श्री परिमल शुक्ला बैद्यः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) असम में तीर्थयात्रा पुनरूद्धार और आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रसाद) योजना के अंतर्गत अब तक किन-किन धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है;

(ख) क्या सिलचर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक भुबन तीर्थ, मां कच्चाखंती मंदिर और सिद्धेश्वर मंदिर को उक्त योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है; और

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उक्त धार्मिक स्थलों को उक्त योजना के अंतर्गत शामिल करने के लिए क्या कदम उठाए जाने की संभावना है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): पर्यटन मंत्रालय, तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) योजना के तहत चिह्नित तीर्थ और विरासत गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के तहत, मंत्रालय ने 29.80 करोड़ रुपए की लागत असम में 'कामाख्या मंदिर में तीर्थयात्रा सुविधाओं का विकास' नामक एक परियोजना स्वीकृत की है।

(ख) और (ग): प्रशाद योजना के तहत तीर्थस्थलों को योजना दिशा-निर्देशों के अनुरूप और राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से चिह्नित/चयनित किया जाता है। राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों से प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित योजना दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और ऐसी परियोजनाओं के लिए निर्धारित शर्तों की पूर्ति और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

सिलचर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में भुबन तीर्थ, मां कच्चाखंती मंदिर और सिद्धेश्वर मंदिर संबंधी प्रस्ताव इस मंत्रालय के विचाराधीन नहीं हैं।

****